आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 232 | उज्जैन, शनिवार 12 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समर्पण कांवड़ यात्रा में सम्मिलित हुए

मुख्यमंत्री ने कांवड़ का पूजन कर महामंडलेश्वर श्री उत्तम स्वामी के साथ कांवड़ उठाई

हिन्दकुश.इन उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर पर श्री पंच अग्नि अखाडा के महामंण्डलेश्वर संत श्री उत्तम स्वामी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित समर्पण कांवड़ यात्रा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए अनुकूल व्यवस्था की जा रही है । उनके भोजन और रुकने की व्यवस्था के इंतजाम भी व्यापक स्तर पर करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि हिंदू संस्कृति में सभी त्योहार,उत्सवों को उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसके साथ अब प्रदेश में सभी जगह पर कांवड़ यात्रियों की सुविधाओं के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि संत जनों और ईश्वर के आशीर्वाद से उज्जैन की सिंहस्थ 2028 की तैयारी तेजी से चल रही है। हमारी तैयारी ऐसी है कि सिंहस्थ 2028 के बाद यदि हर वर्ष भी सिंहस्थ जैसे आयोजन उज्जैन नगरी में किए जाए तो भी हमें किसी प्रकार की समस्या नही आयेगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 में संतो के स्थाई आश्रम और अन्य व्यवस्थाओं के लिए सिंहस्थ आध्यात्मिक सिटी का भी निर्माण किया जा रहा है। जिससे हजारों लोग उज्जैन में रुकना चाहे तो उनकी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

महामंडलेश्वर संत श्री उत्तम स्वामी जी के आशीर्वाद और नेतृत्व में आयोजित हो रही कावड़ यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कावंड का पूजन कर कांवड़ उठाई और संत श्री के साथ पैदल चल कांवड़ यात्रा शुरू कराई 7 उल्लेखनीय है कि समर्पण कांवड़ यात्रा का आयोजन हर वर्ष अग्नि आखाड़ा के महामंडलेश्वर सन्त श्री उत्तम स्वामी जी के आशीर्वाद से आयोजित होती है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कांवड़ यात्रियों को संबोधित कर कहा की दुनिया मे कई संस्कृतियां है लेकिन कोई भी देश अपने शुभ कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व जल को साक्षी मानकर कोई संकल्प नहीं लेता है भारतीय परम्परा और हिंदु संस्कृति में आम नागरिक, ग्रामीण और शहरी जन जल को साक्षी मानकर संकल्प लेते हैं।

भारतवर्ष में जल ही जीवन की संस्कृति को सदैव से जीवन में अपनाया गया है। भारतीय संस्कृति में जल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है जीवन के सभी पहलुओं में जल का महत्व है। इसी कारण पवित्र भाव से सावन मास में कठिन यात्रा कर शिवलिंग पर जल अर्पित किया जाता है।

कांवड़ यात्रा में विधायक द्वय श्री अनिल जैन कालूहेड़ा,श्री सतीश मालवीय, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र भारती, श्री तपन भौमिक और अन्य संतजन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अंतरिक्ष से धरती पर 14 जुलाई को लौटेंगे शुभांशु शुक्ला, नासा ने किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा ने गुरुवार को बताया कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य सदस्य 14 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से धरती के लिए रवाना होंगे। नासा के वाणिज्यिक यात्रा कार्यक्रम के प्रबंधक स्टीव स्टिच ने बताया कि हम वापसी पर काम कर रहे हैं और एक्सिओम-4 की प्रगति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। मुझे लगता है कि हमें इस मिशन को अनडॉक करना होगा। अनडॉक करने की वर्तमान तारीख 14 जुलाई है।

एक्सिओम-4 यात्रियों ने 230 सूर्योदय देखे, एक करोड़ किलोमीटर यात्रा की देश-विदेश पेज के लिए।- अंतरिक्ष यात्रियों ने आइएसएस परअपना अंतिम अवकाश दिवस बितायानई दिल्ली, प्रेट्र = अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके एक्सिओम-4 दल ने दो सप्ताह की अवधि में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर 230 सूर्योदय देखे हैं और लगभग एक करोड़ किलोमीटर की यात्रा की है।

भारत को नुकसान होता तो वो एक फोटो तो दिखाते, ऑपरेशन सिंदूर पर पाक के दावों की अजीत डोभाल ने खोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बारे में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत को इस ऑपरेशन के दौरान कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ॥IT मद्रास में अपने संबोधन के दौरान डोभाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मीडिया ने झूठी खबरें फैलाई। मुझे एक तस्वीर भी दिखा दीजिए जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो।

स्वदेशी तकनीक पर किया गर्व- उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण रहता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है और हमें गर्व है कि इस ऑपरेशन के दौरान हमने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया।

उन्होंने बताया कि हमने सीमापार पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था और इसमें सीमावर्ती इलाकों का एक भी ठिकाना नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक रहे और हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तानाबूद किया।

एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि ऑपरेशन 23 मिनट का था और इस दौरान भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि मुझे एक तस्वीर दिखा दीजिए, जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो। यहां तक कि एक गिलास भी नहीं टूटा।

भारत ने पूरी दुनिया को बचाया- हरदीप पुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि भारत की रूस से कच्चे तेल की निरंतर खरीद ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को स्थिर करने में मदद की है। रूस से तेल व्यापार रोकने पर कच्चे तेल की कीमतें 120-130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जातीं। जब एक प्रेस वार्ता के दौरान रूस के तेल खरीदने के बारे में पूछा गया तो मंत्री पुरी ने स्पष्ट किया कि रूस प्रतिदिन नौ मिलियन बैरल से अधिक कच्चा तेल उत्पादन करता है और यह दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों में से एक है। उन्होंने कहा कि हमने पूरी दुनिया को महंगाई की मार बचाया।

उन्होंने कहा- यदि वैश्विक तेल आपूर्ति में से लगभग 97 मिलियन बैरल में से नौ मिलियन बैरल अचानक गायब हो जाते तो पूरी दुनिया को खपत में 10 प्रतिशत से अधिक की कमी करनी पड़ती, जो असंभव है।

मोदी और भागवत जाने वाले हैं, कांग्रेस का 75 की उम्र वाला तंज; RSS चीफ के बयान को बनाया हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के 75 वर्ष की उम्र पार करने वाले नेताओं को 'ससम्मान विदा' होने की सलाह के बाद सियासी भूचाल आ गया है। विपक्ष ने इस बयान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए तुरंत लपक लिया और उनसे रिटायर होने की मांग कर डाली। भागवत की 75 साल की उम्र में पद छोड़ने की कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए यह किस तरह की घर वापसी है कि विदेश से लौटने पर सरसंघचालक ने उन्हें याद दिलाया कि वह इस साल 75 साल के हो जाएंगे।

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री भी सरसंघचालक से कह सकते हैं कि वह भी तो 11 सितंबर 2025 को 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बेचारे अवार्ड-जीवी प्रधानमंत्री! कैसी घर वापसी है ये- लौटते ही सरसंघचालक के द्वारा याद दिला दिया गया कि 17 सितंबर 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री सरसंघचालक से भी कह सकते हैं कि -वे भी तो 11 सितंबर 2025 को 75 के हो जाएंगे! एक तीर, दो निशाने।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भी हमला बोलते हुए कहा, अब दोनों अपना झोला उठाइए और एक-दूसरे को मार्गदर्शन दीजिए। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, देश के अच्छे दिन आने वाले हैं। भागवत और मोदी जाने वाले हैं।

इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने पूछा था कि क्या पीएम मोदी 75 की उम्र के नियम को खुद पर भी लागू करेंगे, जैसा उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ किया था।

अमेरिका जाने वाले भारतीयों को ट्रंप का झटका, देनी होगी दोगुनी से ज्यादा Visa Fee; क्या है वीजा इंटेग्रिटी शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के काफी सारे लोग अमेरिका में रहते हैं। कोई वहां पढ़ाई करने गया है तो कोई नौकरी करने। कुछ लोग कई सालों से अमेरिका में बसे हुए हैं और कुछ लोग घुमने के लिए अमेरिका जाते हैं।

पहले तो अमेरिकी वीजा मिलना ज्यादा मुश्किल नहीं था और जेब पर भी ज्यादा असर नहीं पड़ता था। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा लाए गए नए कानून, जिसका नाम One Big Beautiful Bill है, इसके लागू होने के बाद अमेरिका जाना काफी ज्यादा महंगा पड़ने वाला है।

ट्रंप ने इस नए कानून को पास किया है और इस बिल पर 4 जुलाई को साइन किया था। इस कानून के तहत 2026 से एक नया शुल्क लागू होगा- वीजा इंटेग्रिटी फी।

इसके लागू होते ही अमेरिकी वीजा पहले से 2.5 गुना महंगा हो जाएगा। इसका असर खासतौर पर स्टूडेंट, टूरिस्ट और आईटी सेक्टर में काम करने वाले प्रोफेशनल्स पर पड़ने वाला है।

क्या है वीजा इंटेग्रिटी फी- यह एक नय 250 डॉलर (लगभग 21,400 रुपये) का शुल्क है।

यह फीस 2026 से लागू होगी।

यह फीस नॉन-रिफंडेबल होगी।

यह हर साल महंगाई दर के आधार पर बदली जा सकती है।

वीजा इंटेग्रिटी फी लागू होने का मतलब है कि जो वीजा 16 हजार रुपये में बन जाता था, वो अब 40 हजार रुपये से ऊपर का हो सकता है।

किस-किस को देनी होगी यह फीस?

इस नई फीस का असर ज्यादातर गैर-इमिग्रेंट वीजा धारकों पर पड़ेगा।

टूरिस्ट और बिजनेस वीजा (B-1/B-2) को देनी होगी फीस।

अमेरिका में पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को देनी होगी यह फीस।

अमेरिका में नौकरी के लिए गए प्रोफेशनल्स को दोनी होगी यह फीस।

एक्सचेंज विजिटर वीजा (J) वालों को भी यह फीस देनी होगी।

केवल डिप्लोमैटिक वीजा धारक (A और G कैटेगरी) इससे छूट पाएंगे।

यूक्रेनी जासूस की कीव में बीच सड़क हत्या, नकाबपोश शख्स ने बरसाईं गोलियां; अधिकारियों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन की राजधानी कीव से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां पर एक वरिष्ठ यूक्रेनी खुफिया अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। घटना की जांच अधिकारियों ने शुरू कर दी है। जांच के दौरान हत्या के पीछे की वजह तलाशने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कीव में जिस शख्स की हत्या की गई है, वह एक वरिष्ठ यूक्रेनी खुफिया अधिकारी था। इस घटना की पुष्टि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के प्रवक्ता ने की है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में जांच जारी है।

घटना का सीसीटीवी फुटेज आया सामने- इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि होलोसिव्स्की जिले में एक व्यक्ति अपने अपार्टमेंट से बाहर निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। उसके पास दो बैग है, उस बैग के साथ वह एक कार की ओर बढ़ रहा होता है। इसी दौरान एक नकाबपोश व्यक्ति उसके पास आता है और करीब से उसे गोली मार देता है। गोली लगने के कारण शख्स गिर जाता है।

इसके तुरंत बाद आरोपी फिर से गोली चलाता है। फिर वह बंदूक को अपनी पैंट में रखता है और सड़क की दूसरी ओर भाग खड़ा होता है। इस घटना के बाद आसपास हड़कंप मच जाता है। मृतक की पहचान कर्नल इवान वोरोनिच के रूप में हुई है। वह कथित तौर पर यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के 16वें विभाग के प्रथम डिवीजन के प्रभारी थे।

पाकिस्तान में कलेआम, बस से उतारकर की 9 लोगों की हत्या

शुक्रवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कुछ बंदूकधारियों ने एक यात्री बस से पंजाब प्रांत के 9 यात्रियों को उतारकर उन्हें गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

सहायक आयुक्त झोब नवीद आलम ने बताया कि यह घटना बलूचिस्तान के झोबू इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने पहले यात्रियों के पहचान पत्र देखे और क्वेटा से लाहौर जा रही बस से 9 यात्रियों को उतारकर उन्हें गोली मार दी।

पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव- अधिकारी ने बताया कि सभी 9 लगो पंजाब प्रांत के अलग-अलग इलाकों के थे। उन्होंने कहा कि सभी 9 लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

हालांकि, अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले विद्रोहियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन अन्य आतंकवादी हमले भी किए थे। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद दावा किया था कि सुरक्षा बलों ने आतंकियों के हमलों को नाकाम कर दिया था। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से सटा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसक विद्रोह का गढ़ रहा है।

जिया-उल-हक ने पाक का किया जिहादीफिकेशन, बिलावल भुट्टो का एक ओर कबूलनामा; मान ली आतंकी पालने की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान लाख कोशिश कर ले अपनी सच्चाई छुपाने की, लेकिन वहां के नेता खुद ही अपने देश की पोल खोल देते हैं। पाकिस्तान पिपुल्स पार्टी के चेयरमैन और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कुबूल किया है कि पाकिस्तान की धरती से जिहाद छेड़ा गया है।

बिलावल भुट्टो ने कहा कि वे अतीत से भागना नहीं चाहते हैं कि पाकिस्तान के पूर्व तानाशाह देश का जिहादीफिकेशन करने के लिए जिम्मेदार रहे हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले बिलावल ने कहा था कि पाकिस्तान को हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद चीफ मसूद अजहर को भारत को सौंपने में कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते भारत इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए।

पहलगाम हमले को बताया आतंकी हमला- वेबसाइट द वायर के वरिष्ठ पत्रकार करण थापर को दिए एक इंटरव्यू में बिलावल भुट्टो ने कहा कि जिन समूहों (जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा) की बात कर रहे हैं, इन्हें न केवल पाकिस्तान के बाहर बल्कि पाकिस्तान के भीतर भी आतंकी हमले करने की अनुमति हमारा देश नहीं देता है।

एयरपोर्ट पर उतरते ही बेली डांसर गिरफ्तार, अधिकारी बोले- ये अश्लीलता फैला रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली की एक बेली डांसर को अश्लीलता फैलाने के आरोप में मिस्र में गिरफ्तार किया गया है। डांसर का नाम सोहिला तारेक हसन हग्गग है, लेकिन इंस्टाग्राम पर वह लिंडा मार्टिनो के नाम से फेमस हैं। इंस्टाग्राम पर उसके 22 लाख फॉलोअर हैं। मार्टिनो का जन्म मिस्र में ही हुआ था, लेकिन उनके पास इटली की भी नागरिकता है।

आरोप है कि मार्टिनो ने कम कपड़े पहन कर अपने शरीर के अंगों का प्रदर्शन किया और अपने डांस वीडियो में कामुक तकनीकों का इस्तेमाल किया। उन्हें 22 जून को काहिरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था।

उत्तेजक डांस करने का आरोप- गिरफ्तारी के पास उनके पास काफी ज्यादा कैश बरामद किया गया। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, काहिरा के अभियोजकों ने बेली डांसर पर कामुकता भरी हरकतों और उत्तेजक डांस के माध्यम से अनैतिकता भड़काने का आरोप लगाया है।

मार्टिनो ने इटली के व्यक्ति से शादी की थी। लेकिन वह बाद में उससे अलग हो गईं। मार्टिनो के पास दोहरी नागरिकता है, लेकिन मिस्र में एक सक्सेसफुल प्रोफेशन होने के कारण वह वापस लौट आईं। काहिरा स्थित इटली के दूतावास ने उनके रिहाई की मांग की है और उनसे मिलने की अनुमति मांगी है।

कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर क्यों बरसाईं गोलियां? खालिस्तान समर्थक आतंकी लाडी ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे को आतंकवादियों ने गुरुवार (10 जुलाई, 2025) को निशाना बनाते हुए जमकर गोलियां बरसाईं। इस हमले की जिम्मेदारी खालिस्तान समर्थक आतंकी हरजीत सिंह लाडी ने ली है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर उसने कपिल के कैफे को निशाना क्यों बनाया? इस बात का खुलासा उसने खुद किया है।

आतंकी लाडी के मुताबिक, कपिल शर्मा के शो में एक प्रतिभागी ने निहंग सिखों की पारंपरिक पोशाक और आचरण पर कुछ हास्यास्पद टिप्पणियां की थीं, जिससे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े इस आतंकी ने कनाडा में हाल ही में खुले कपिल के कैफे पर 9 गोलियां चलवाईं और सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि इस हमले के पीछे वो और तूफान सिंह हैं।

जानें क्या बोला आतंकी लाडी- बीकेआई को कनाडा सरकार ने एक आतंकी संगठन घोषित कर रखा है और लाडी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में है। उसने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, एक किरदार निहंग सिख पोशाक पहने दिखाई दिया और उनके आचरण पर कुछ हास्यास्पद टिप्पणियां की गई। इन्हें अपमानजनक और समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला माना गया। कॉमेडी की आड़ में किसी भी धर्म या आध्यात्मिक पहचान पर मजाक नहीं उड़ाया जा सकता।

अमेरिका की राजधानी के पास दिखा खतरनाक शेल्फ क्लाउड, पलभर में शहर में छाया अंधेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी और उसके आसपास के इलाकों में मौसम का एक खौफनाक मंजर देखने को मिला, जब एक काफी बड़ा और डरावना शेल्फ क्लाउड आसमान में देखने को मिला।

इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जो मैरीलैंड में रिकॉर्ड किया गया, जहां से ये बादल वाशिंगटन की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही काले बादल आसमान में छाए तो पूरे इलाके में अंधेरा छा गया।

एक्स पर शेयर किया वीडियो- इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा, जब वाशिंगटन डीसी में तूफान, बाढ़ और टॉरनेडो की चेतावनी थी, तब यह शेल्फ क्लाउड बोवी और मैरीलैंड में दिखाई दिए।÷

क्या होता है शेल्फ क्लाउड- मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, शेल्फ क्लाउड अक्सर किसी बड़े तूफान के आने का संकेत होता है। यह बादल आंधी, बिजली, तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ दिखाई देते हैं। हालांकि, शेल्फ क्लाउड खुद कोई टॉरनेडो नहीं होता है, लेकिन इसके दिखने के बाद मौसम और भी ज्यादा खराब हो सकता है।

दक्षिण 24 परगना में बड़ी वारदात, TMC नेता की गोली मारकर हत्या; हमलावरों ने चाकू से भी किए कई वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ इलाके में गुरुवार देर रात सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष रज्जाक खान की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर और चाकू से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना काशीपुर थाना क्षेत्र के चालताबेरिया इलाके में घटी। मृतक रज्जाक खान (38) कैनिंग पूर्व के तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला के करीबी सहयोगी थे।

पहले गोली मारा फिर चाकू से किया हमला- एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस की चालताबेरिया इकाई के अध्यक्ष खान पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के बाद रात में घर लौट रहे थे, तभी एक नहर के पास घात लगाए कुछ बदमाशों ने उनपर गोलियां चलाई।

काशीपुर थाने के अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मृतक को तीन गोलियां लगीं। हमलावरों ने फायरिंग के बाद खान पर कई बार चाकू से भी वार किया।

शब्दों में बयां नहीं कर सकती..., ट्रैफिक पुलिसकर्मी के सवाल पर खूब रोई महिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी पुलिस का नाम जहन में आता है तो कुछ बुरे, कुछ अच्छे अनुभव दिमाग में आते हैं। ऐसा ही कुछ चेन्नई की महिला के साथ हुआ। जननी पोरकोडी नाम की इस महिला ने अपने इसी तरह के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया कि कैसे ट्रैफिक पुलिसकर्मी से हुई एक छोटी सी मुलाकात ने उसे रुला दिया। उन्होंने लिंक्डइन पर लिखा, पिछले हफ्ते, मैं एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी के सामने रो पड़ी। मैं ड्राइविंग कर रही थी और मैं इतनी परेशान और तनाव थी कि इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। एक के बाद एक कई चीजें मुझ पर हावी हो रही थीं- काम, प्रेशर और उम्मीदें। मुझे एक ट्रैफिक पुलिस वाले ने रोका और मुझे पता भी नहीं था कि क्या कारण था?

ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने उम्मीद से परे पूछा सवाल- हालांकि, इसके बाद जो हुआ उसकी उम्मीद इस महिला ने बिल्कुल नहीं की थी क्योंकि उस पुलिस वाले ने ट्रैफिक नियमों को लेकर नहीं बल्कि ऐसा सवाल किया, जिसने उसे रोने पर मजबूर कर दिया।

पहले आप ये तय करें किस पार्टी से हैं..., थरूर ने इशारों में जताई सीएम बनने की इच्छा तो मुरलीधरन ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बीते दिन एक सर्वे शेयर किया था, जिसमें उन्हें केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे लोकप्रिय नेता बताया गया। इसको लेकर राजनीतिक घमासान मच गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने अपनी ही पार्टी के नेता पर तंज कसते हुए कहा कि पहले थरूर को ये तय करना चाहिए कि वो किस पार्टी में हैं।

दरअसल, थरूर ने इशारों-इशारों में सीएम बनने की इच्छा जताई, जिसपर मुरलीधरन ने निशाना साधा। मुरलीधरन ने शशि थरूर की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पत्रकारों से कहा, सर्वे में भले ही कोई और आगे चल रहा हो, लेकिन अगर 2026 के विधानसभा चुनाव में यूडीएफ सत्ता में आती है तो मुख्यमंत्री यूडीएफ से ही होगा। हमारा लक्ष्य चुनाव जीतना है। हमें ऐसे अनावश्यक विवादों में किसी तरह की कोई दिलचस्पी नहीं है।

सर्वे चाहे जो भी कहे लेकिन.- उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की केरल इकाई में कई वरिष्ठ नेता हैं, जिन पर मुख्यमंत्री पद के लिए विचार किया जाएगा, चाहे कोई भी सर्वेक्षण कुछ भी कहे। मुरलीधरन ने कहा कि पार्टी के पास नियमों का एक ढांचा है, जिसके अनुसार यह निर्णय लिया जाएगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

यूएई में बैठे मुंबई में चला रहा था ड्रग तस्करी का रैकेट, मास्टरमाइंड कुब्बावाला मुस्तफा को प्रत्यर्पित कर भारत ले आई सीबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंथेटिक ड्रग मामले के प्रमुख आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) यूएई से प्रत्यर्पित कर भारत लेकर आई है। इस बात की जानकारी सीबीआई ने शुक्रवार (11 जुलाई, 2025) को दी।

सीबीआई ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस रिलीज में कहा कि एजेंसी ने ÷इंटरपोल चैनलों के माध्यम से यूएई से कुब्बावाला मुस्तफा की वापसी में सफलतापूर्वक समन्वय किया है। कुब्बावाला मुस्तफा मुंबई पुलिस का वांछित अपराधी है।÷ सीबीआई की अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) एनसीबी-अबू धाबी के सहयोग से उसे भारत लेकर आई है। मुस्तफा के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था।

7 जुलाई को दुबई गई थी सीबीआई की टीम- ड्रग फैक्टी का मास्टरमाइंड मुस्तफा को वापस भारत लाने के लिए सीबीआई की चार सदस्यीय टीम 7 जुलाई को दुबई रवाना हुई थी। इसके बाद शुक्रवार को ये टीम मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एअरपोर्ट पर पहुंची। सीबीआई ने बताया कि इंटरपोल के जरिए सीबीआई ने एनसीबी-अबू धाबी के साथ मिलकर क्लोज फॉलो-अप किया और इस व्यक्ति की लोकेशन पहले से ही संयुक्त अरब अमीरात में पाई गई थी।

मुस्तफा पर क्या है आरोप- मुस्तफा पर आरोप है कि वो विदेश से सांगली (महाराष्ट्र) में एक सिंथेटिक दवा निर्माण फैक्ट्री चलाता था और मुंबई पुलिस ने उसे वांटेड घोषित किया हुआ था। उसके खिलाफ कुर्ला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज है, जिसका नंबर 67/2024 है।

सीबीआई ने मीडिया रिलीज में कहा, ÷कुब्बावाला मुस्तफा और अन्य से जुड़ी फैक्ट्री से 2.522 मिलियन रुपये की कीमत की कुल 126.141 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद और जब्त की गई। मुस्तफा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है और अदालत ने उसके खिलाफ ओपन वारंट भी जारी किया है।

टूटी चूड़ियां, खून के धब्बे और चप्पलें... शादीशुदा शख्स का चल रहा था अफेयर, परिवार वालों ने धारदार हथियारों से किया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क पर टूटी हुई चूड़ियां, खून के धब्बे और पड़ी हुई चप्पलें। ऐसा नजारा मैसूर में उस वक्त देखने को मिला, जब एक परिवार के चार लोगों पर ऑटो में जाते समय हमला कर दिया जाता है। यह घटना शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक अग्रहारा के रामानुज रोड पर हुई।

इस परिवार पर धारदार हथियारों से हमला इसलिए किया गया, क्योंकि उनके बेटे राजन्ना का चक्कर एक लड़की से चल रहा था और वो पहले से ही शादीशुदा है। ये घटना गुरुवार (10 जुलाई, 2025) की रात को हुई। चश्मदीदों की अगर मानें तो रात करीब सवा नौ बजे एक काली कार ने ऑटो का पीछा करना शुरू किया और रामानुज रोड पर 12वें क्रॉस के पास उसे रोक लिया। इसके बाद ऑटो और उसमें बैठे लोगों पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों की पहचान रामू, उसकी पत्नी सौम्या, अब्बैया और प्रसाद के रूप में हुई।

सड़क पर होता रहा हमला और मूकदर्शक बने राहगीर- हमला होने के बाद ऑटो ड्राइवर अपनी सीट भाग खड़ा हुआ और हमलावर कम से कम एक मिनट तक हमला करते रहे। मौके पर चीख पुकार मच गई लेकिन राहगीर मूक दर्शक बने रहे। ऑटो में सवार परिवार के 4 लोगों राजन्ना, कुमुदा, विशालाक्षी और रेणुकम्मा पर बुरी तरह से हमला किया जाता है, जिससे पीड़ितों में एक को गंभीर चोटें आईं और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

हमला करने के पीछे क्या थी वजह- इस जानलेवा हमले के पीछे की वजह हमलावरों के परिवार की एक लड़की के साथ राजन्ना का अफेयर बताया जा रहा है।

क्या फ्यूल स्विच बंद होने से हुआ था Air India विमान हादसा? जांच में हो सकते हैं चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान AI-171 हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें प्लेन में सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे को लेकर जांच लगातार जारी है और अभी एक प्रारंभिक रिपोर्ट जल्द सामने आने वाली है, जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। रिपोर्ट से साफ है कि हादसा इतना भयानक था कि जांच में अभी और समय लग सकता है। लेकिन शुरुआत संकेतों से पता चला है कि टेक-ऑफ के 30 सेकेंड बाद ही विमान ने ऊंचाई खो दी थी और मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में जा गिरा था। विमान में मौजूद फ्यूल के कारण जोरदार विस्फोट हुआ और आग लग गई थी।

कुछ ही सेकेंड में क्रैश हुआ विमान- हादसे से पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें देखा जा सकता था कि विमान ने सामान्य तरीके से उड़ान भरी थी लेकिन चंद सेकेंड के बाद ही विमान ने ऊंचाई खो दी। विमान में लगे दो इंजन अचानक बंद हो जाते हैं, जो एक दुर्लभ स्थिति मानी जाती है।

एअरोस्पेस एनालिस्ट और पूर्व फाइटर पायलट ब्योर्न फेर्म ने बताया कि दोनों इंजन का एक साथ फेल हो जाना बहुत दुर्लभ है। उन्होंने यह भी कहा कि वायरल वीडियो में कोई धुआं नहीं दिख रहा है, जिससे बर्ड हिट जैसी आशंका भी कम ही नजर आती है।

क्या हो सकती है गड़बड़ी- इस बीच जांचकर्ताओं को संकेत मिले हैं कि कॉकपिट में मौजूद फ्यूल कंट्रोल स्विच में कुछ गड़बड़ी हो सकती है। ये स्विच पायलट द्वारा इंजन को फ्यूल देने या बंद करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

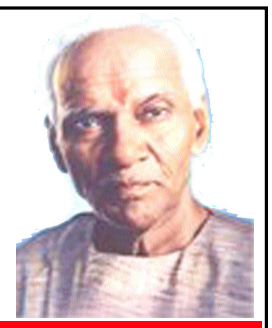

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

जैसे ही भारत का शहरी परिदृश्य नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है - शाब्दिक रूप से....

जैसे ही भारत का शहरी परिदृश्य नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है - शाब्दिक रूप से - इसके शहर अपार्टमेंट टावरों से भर रहे हैं जो पुणे से नोएडा तक आधुनिक क्षितिज को परिभाषित करते हैं। फिर भी यह तेजी से ऊर्ध्वाधर विकास एक दिल दहला देने वाली लागत के साथ आया है, खासकर सबसे कम उम्र के और सबसे कमजोर निवासियों के लिए। बालकोनी, जिसे एक बार खुलेपन, शांत और अवकाश के स्थान के रूप में देखा जाता है, अब खतरे-स्थानों के छिपे हुए क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं, जहां छोटे ओवरसाइट और संरचनात्मक समझौते जल्दी से घातक हो सकते हैं।

इस संकट के दिल में एक गलत विश्वास निहित है- कि बालकनियों पर रखी वस्तुएं इतनी लंबी सुरक्षित हैं जब तक कि वे भारी हैं या एक कगार पर चुपके से बैठते हैं। ज्यादातर लोग मानते हैं कि खेल में गुरुत्वाकर्षण ही एकमात्र बल है। लेकिन निर्मित वातावरण कहीं अधिक जटिल वास्तविकता के अधीन है। हवा के झोंके, भूकंपीय कंपन, थर्मल विस्तार और यहां तक कि लोड में मामूली बदलाव भी पार्श्व आंदोलनों को पेश कर सकते हैं। जब ये आंदोलन खराब वेल्डेड जोड़ों, जंग लगे रेलिंग या उम्र बढ़ने वाले पैरापेट्स से मिलते हैं, तो आपदा अपरिहार्य हो जाती है।

रोके जाने योग्य त्रासदियों- अप्रैल 2025 में, पुणे में एक बच्चा गिरने वाले फूल की चपेट में आ गया था। मौत कोई बेतरतीब दुर्घटना नहीं थी। यह एक असुरक्षित वस्तु का परिणाम था जिसे एक उच्च पैरापेट पर रखा गया था और नियामक निरीक्षण की अनुपस्थिति थी। गुरुत्वाकर्षण ने अंतिम झटका दिया होगा, लेकिन मानव उपेक्षा ने इसे सक्षम कर दिया। त्रासदी के मद्देनजर, नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद में नगरपालिका अधिकारियों ने आपात सलाह जारी की, जिसमें बालकनी और अनिवार्य निरीक्षण से भारी वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया। लेकिन कई अन्य शहरों में, ये निर्देश कर्षण प्राप्त करने में विफल रहे। राज्य लाइनों में प्रवर्तन की असंगति अनगिनत जीवन को खतरे में डालती रहती है। एक महीने बाद, गाजियाबाद में, एक पांच साल के लड़के और उसके चाचा को कुचल दिया गया जब एक पुरानी बालकनी ने रास्ता दिया।

सौंदर्यशास्त्र और छिपे हुए खतरे- औसत बालकनी शांत और सुरक्षित-लटके पौधे, लोहे की रेलिंग, कलात्मक ग्रिल दिखाई देती है। फिर भी इस सौंदर्य आकर्षण के पीछे छिपे हुए जोखिम हैं। लोहे की जंग, वेल्ड कमजोर, और संरचनाएं बिगड़ती हैं - विशेष रूप से तेजी से निर्मित इमारतों में या समझौता सामग्री की गुणवत्ता के साथ। इनमें से अधिकांश खामियां तब तक अदृश्य रहती हैं जब तक कि बहुत देर न हो जाए।

बच्चे विशेष रूप से जोखिम में हैं। एम्स और पबमेड सेंट्रल के शोध पर प्रकाश डाला गया है जो 1 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सबसे घातक प्रकार के आघात के बीच बालकनियों रैंक से आता है। इस समूह में 60 प्रतिशत से अधिक आघात की चोटें ऊंचाई से गिरने से जुड़ी हुई हैं। बच्चे रेलिंग पर झुक जाते हैं, लेजेज चढ़ते हैं, या पैरापेट्स को प्ले जोन मानते हैं। एक ढीली रेलिंग, एक असुरक्षित प्लांटर, या एक रिकेटी शेल्फ सेकंड में एक घातक खतरा बन सकता है। प्रतिक्रियाशील उपाय - त्रासदियों के बाद ही अधिनियमित - सक्रिय, राष्ट्रव्यापी सुरक्षा मानकों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते। जबकि लखनऊ और नोएडा जैसे शहरों ने असुरक्षित बालकनी प्रथाओं के लिए जुर्माना और प्रवर्तन लागू किया है, ऐसी नीतियों को सभी शहरी केंद्रों में संस्थागत बनाने की आवश्यकता है।

रामा राघोबा राणे

सेकेंड लेफ़्टिनेंट रामा राघोबा राणे परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय सैनिक हैं। इन्हें यह सम्मान सन् 1948 में मिला था।

जीवन परिचय- राघोबा राणे का जन्म 26 जून 1918 को धारवाड़ ज़िले के हवेली गाँव में हुआ था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा, पिता के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण (ट्रांसफ़र) के कारण बिखरी-बिखरी सी हुई। तभी 1930 में असहयोग आन्दोलन शुरू हुआ जिससे राघोबा राणे बेहद प्रभावित हुए और ऐसा लगा कि वह इस आन्दोलन में सब कुछ छोड़कर कूद पड़ेंगे। लेकिन इस स्थिति के आने के पहले ही इनके पिता अपने परिवार सहित अपने पैतृक गाँव चेंडिया आ गए।

भारतीय सेना में भर्ती- 1940 में दूसरा विश्व युद्ध तेज़ी पर था। राघोबा के भीतर भी कुछ जोश भरा जीवन जीने की चाह थी तो उन्होंने भारतीय सेना में जाने का मन बनाया। उनकी इच्छा रंग लाई और 10 जुलाई 1940 को वह बॉम्बे इंजीनियर्स में आ गए। वहाँ इनके उत्साह और दक्षता ने इनके लिए बेहतर मौक़े पैदा किए। यह अपने बैच के सर्वोत्तम रिक्रूट चुने गए। इस पर इन्हें पदोन्नत करके नायक बना दिया गया तथा इन्हें कमांडेंट की छड़ी प्रदान की गई। ट्रेनिंग के बाद राघोबा 26 इंफेंट्री डिवीजन की 28 फील्ड कम्पनी में आ गए। यह कम्पनी बर्मा में जापानियों से लड़ रही थी। बर्मा से लौटते समय राघोषा राणे को दो टुकड़ियों के साथ ही रोक लिया गया और उन्हें यह काम सौंपा गया कि वह बुथिडांग में दुश्मन के गोला बारूद के जखीरे को नष्ट करें और उनकी गाड़ियों को बरबाद कर दें। राघोबा और उनके साथी इस काम को करने में कामयाब हो गए। योजना थी कि इसके बार नेवी के जहाज इन्हें लेकर आगे जाएंगे। दुर्भाग्य से यह योजना सफल नहीं हो पाई और उन लोगों को नदी खुद पार करनी पड़ी। यह एक जोखिम भरा काम था क्योंकि उस नदी पर जापान की जबरदस्त गश्त और चौकसी लगी हुई थी। इसके बावजूद राघोबा और उनके साथी, जापानी दुश्मनों की नज़र से बचते हुए उनको मात देते हुए इस पार आए और इन लोगों ने बाहरी बाज़ार में अपने डिवीजन के पास अपनी हाजिरी दर्ज की। यह एक बेहद हिम्मत तथा सूझबूझ का काम था, जिसके लिए इन्हें तुरंत हवलदार बना दिया गया।

सेकेंड लेफ़्टिनेंट- इसके बाद रामा राघोबा राणे लगातार सेना को अपनी बहादुरी, अपनी नेतृत्व क्षमता तथा अपने चरित्र से प्रभावित करते रहे जिसके फलस्वरूप इन्हें सेकेंड लेफ़्टिनेंट के रूप में कमीशंड ऑफिसर बनाकर जम्मू कश्मीर के मोर्चे पर तैनात कर दिया गया। पाकिस्तान के जवाबी हमले को नाकाम करते हुए नौशेरा की फ़तह के बाद भारतीय सेना ने अपनी नीति में परिवर्तन किया और यह तय किया कि वह केवल रक्षात्मक युद्ध नहीं लड़ेगी बल्कि खुद भी आक्रामक होकर मोर्चे जीतेगी और इसी से दुश्मन का मनोबल टूटेगा। इस क्रम में सबसे पहले 18 मार्च 1948 को 50 पैराब्रिगेड तथा 19 इंफेंट्री ब्रिगेड ने झांगार पर दुबारा जीत हासिल की थी। उसके बाद भारतीय सेना अपनी इसी नीति पर डटी रही थी। इसके बाद यह निर्णय हुआ था कि दुश्मन पर दबाव बनाए रखते हुए बारवाली रिज, चिंगास तथा राजौरी पर क़ब्ज़ा जमाया जाय। इस काम के लिए नौशेरा-राजारी मार्ग का साफ़ होना बहुत ज़रूरी था। एक तो भौगोलिक रूप से यहाँ रास्ता पहाड़ी रास्तों की तरह संकरा तथा पथरीला था, दूसरे इस पर दुश्मन ने बहुत सी ज़मीनी सुरंगें भी बना रखीं थीं। कूच करने के पहले ज़रूरी था कि उन सुरंगों को नाकाम करके, सभी तरह के अवरोध वहाँ से हटा दिए जाएँ।

अदम्य साहस का प्रदर्शन- 8 अप्रैल 1948 को ऐसे ही एक मोर्चे पर सेकेंड लेफ़्टिनेंट रामा राघोबा राणे को अपना पराक्रम दिखाने का मौका मिला। 8 अप्रैल 1948 को यह काम बॉम्बे इंजीनियर्स के इन्हीं सेकेंड लेफ़्टिनेंट रामा राघोबा राणे को सौंपा गया। दिन में काम शुरू हुआ और शाम तक रिज को फ़तह कर लिया गया। दुश्मन ने इस हार पर अपना जवाबी हमला किया लेकिन उसे नाकाम कर दिया गया। इस सफलता के लिए रामा राघोबा की विशेष बहादुरी का ज़िक्र किया जा सकता है। 8 अप्रैल से ही, जैसे ही रामा राघोबा को काम शुरू करना था, दुश्मन की भारी गोलाबारी तथा बमबारी शुरू हो गई थी। इस शुरुआती दौर में ही रामा राघोबा के दो जवान मारे गए और पाँच घायल हो गए। घायलों में रामा राघोबा स्वयं भी थे। इसके बावजूद रामा राघोबा अपने टैंक के पास से हटे नहीं और दुश्मन की मशीनगन तथा मोर्टार का सामना करते रहे। रिज जो जीत भले ही लिया गया था, लेकिन राघोबा को पूरा एहसास था कि दुश्मन वहाँ से पूरी तरह साफ़ नहीं हुआ है। इसके बावजूद, रामा ने अपने दल को एकजुट किया और घुमाव बनाते हुए अपने टैंकों के साथ वह आगे चल पड़े। रात दस बजे वह एक-एक ज़मीनी सुरंग साफ़ करते हुए आगे बढ़ते रहे, जबकि दुश्मन की तरफ से मशीनगन लगातार गोलियों की बौछार कर रही थी।

बहादुरी और चतुराई का प्रदर्शन- अगले दिन 9 अप्रैल को फिर एकदम सुबह से ही काम शुरू हो गया जो शाम तीन बजे तक चलता रहा। इस बीच एक घुमावदार रास्ता तैयार था, जो सुरक्षित था और इससे टैंक आगे जा सकते थे। जैसे-जैसे सशस्त्र दल आगे बढ़ा, रामा राघोबा अगली पंक्ति में उनकी अगुवाई करते चले। रास्ते में फिर एक अवरोध चीड़ के पेड़ को गिरा कर बनाया गया था। राघोबा फ़ुर्ती से अपने टैंक से कूद कर नीचे आए और पेड़ को धमाके से उड़ाकर उन्होंने रास्ता साफ़ कर लिया। क़रीब तीन सौ गज़ आगे फिर वहीं नज़ारा था। उस समय शाम ढल रही थी और रास्ता ज़्यादा घुमावदार होता जा रहा था। अगली बाधा एक उड़ा दी गई पुलिया ने खड़ी की थी। राघोबा अपने दल के साथ इसे भी दूर करने तत्परता से जुट गए। तभी यकायक दुश्मन ने मशीनगन से गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं लेकिन यहाँ भी राघोबा ने बेहद चतुराई से अपना रास्ता दूसरी तरफ से काटा और निर्बाध आगे बढ़ गए। इस तरह सशस्त्र सेना ने न जाने कितने मार्ग अवरोधों का सामना किया और सभी को रामा राघोबा के दल ने बहादुरी और चतुराई से निपटा डाला।

शाम सवा छह का समय हो रहा था। रोशनी तेज़ी से घट रही थी और सामने एक बड़ी बाधा मुँह बाए खड़ी थी। चीड़ के पाँच बड़े पेड़ों के सहारे मार्ग अवरोध बनाया गया था। उसके नीचे ज़मीनी सुरंगे थीं, जिसमें बारूदी विस्फोट का पूरा सामान था और उसके दोनों ओर से मशीनगर की लगातार गोलाबारी थी जिससे इस अवरोध को दूर कर पाना सरल नहीं लग रहा था। रामा राघोबा इस बाधा को भी हटाने के लिए तत्पर थे लेकिन सशस्त्र टुकड़ी के कमाण्डर को यही ठीक लगा कि टुकड़ी का रास्ता बदल कर कहीं सुरक्षित ठिकाने पर ले जाया जाए। इस निर्णय के साथ रात बीती लेकिन रामा राघोबा को चैन नहीं था। वह सुबह पौने पाँच बजे से ही उस मार्ग अवरोध को साफ़ करने में लग गए। दुश्मन की ओर से मशीनगन का वार जारी था। उसके साथ एक टैंक भी वहाँ तैनात हो गया था लेकिन रामा राघोबा का मनोबल भी कम नहीं था। वह इस काम में लगे ही रहे और सुबह साढ़े छह बजे, क़रीब पौने दो घण्टे की मशक्कत के बाद उन्होंने वह रास्ता साफ़ कर लिया और आगे बढ़ने की तैयारी शुरू हुई।

अगला हजार गज़ का फासला जबरदस्त अवरोधों तथा विस्फोटों से ध्वस्त तट-बंधों से भरा हुआ था। इतना ही नहीं, आगे का पूरा रास्ता मशीनगन की निगरानी में था लेकिन रामा राघोबा असाधारण रूप से शांत तथा हिम्मत से भरे हुए थे। उनमें जबरदस्त नेतृत्व क्षमता थी। वह अपनी टुकड़ी का हौसला बढ़ने में प्रवीण थे और अपनी टुकड़ी के सामने अपनी बहादुरी एवं हिम्मत की मिसाल भी रख रहे थे, जिसके दम पर उनका पूरा अभियान उसी दिन सुबह साढ़े दस बजे तक पूरा हो गया। सशस्त्र टुकड़ी को तो निकलने का रास्ता राघोबा ने दे दिया, लेकिन वह थमे नहीं। सशस्त्र टुकड़ी तावी नदी के किनारे रुक गई लेकिन राघोबा का दल प्रशासनिक दल के लिए रास्ता साफ़ करने में जुटा रहा। राघोबा के टैंक चिंगास तक पहुँच गए।

गरीबी ने कंगाल पाकिस्तान का हाल किया बेहाल, नेपाल और बांग्लादेश निकले आगे

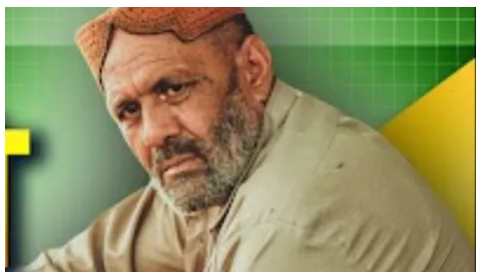

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व बैंक ने पाकिस्तान की गरीबी को लेकर एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में 44.7 फीसदी लोग अब भी गरीब है। वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान की करीब आधी से थोड़ी कम आबादी प्रतिदिन 4.20 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन कर रहे हैं। पाकिस्तान की आबादी करीब 25 करोड़ हैं, जिनमें से करीब 12 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से नीचे हैं। और यह संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। पाकिस्तान से अच्छा बांग्लादेश और नेपाल प्रगति कर रहे हैं।

विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों ने गरीबी को प्रभावी ढंग से दूर करने में एक के बाद एक आने वाली पाकिस्तानी सरकारों की विफलता को उजागर कर दिया है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार अत्यधिक गरीबी, यानी प्रतिदिन 3.00 डॉलर से कम की आय, 4.9त्न से बढ़कर 16.5त्न हो गई है। इसका मतलब यह है कि रोज लाखों लोग गरीबी रेखा से नीचे आ रहे हैं।

न मिल रही शिक्षा और न ही इलाज- आंकड़े बताते हैं कि मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स बताता है कि पाकिस्तान में 30त्न से ज्यादा लोग स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में भारी कमी का सामना कर रहे हैं। इस दिशा में पाकिस्तान से अच्छे तो पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल के आंकड़े हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार चीन, बांग्लादेश और नेपाल ने गरीबी कम करने में अच्छी प्रगति की है। चीन में अत्यधिक गरीबी 1त्न से कम है। वहीं, बांग्लादेश ने माइक्रो फाइनेंस और गारमेंट सेक्टर से लाखों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। नेपाल में इस समय गरीबी दर 2.2 फीसदी है।

पाकिस्तान की कोशिश रही असफल- पाकिस्तान अपनी गरीब जनता को गरीबी रेखा से बाहर निकालने के लिए कई तरह की योजनाएं चलाती हैं। लेकिन ये योजनाएं धरी की धरी रह गई हैं।बेनजीर इनकम सपोर्ट प्रोग्राम जैसे सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर पाकिस्तान की सरकार बहुत पैसा खर्च करती है लेकिन यह एक अस्थायी समाधान है। ऐसी स्कीमों पर लोग निर्भर हो गए हैं और वे कुछ करना ही नहीं चाहते।

पाकिस्तान पॉवर्टी एलेविएशन फंड ने इस दिशा में कुछ हद तक प्रगति दिखाई है। इसने महिलाओं को उद्यमी बनाने और ब्याज-मुक्त ऋण देने में सफलता हासिल की है। लेकिन इससे गरीबी को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता।

ये है भारत का पहला स्वदेशी बैंक, आज इस नाम से जानती है दुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। RBI की वेबसाइट के अनुसार भारत में करीब 150 बैंक हैं, जिनमें सरकारी, प्राइवेट और को-ऑपरेटिव बैंक भी शामिल हैं। वहीं कई विदेशी बैंक भी भारत में अपनी सेवाएं देते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि भारत का पहला स्वदेशी बैंक कौन सा है? गौरतलब है कि भारत में पहला बैंक 1683 में शुरू किया गया था। ये था द मद्रास बैंक। द मद्रास बैंक को यूरोपीय कारोबारियों ने शुरू किया था। मगर वो पहला भारतीय स्वदेशी बैंक नहीं था। भारत का पहला स्वदेशी बैंक है पंजाब नेशनल बैंक। आइए जानते हैं पीएनबी का इतिहास।

भारत के पहले स्वदेशी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को 12 अप्रैल, 1895 को शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत लाहौर से हुई थी, जो अब पाकिस्तान में है। बता दें कि पीएनबी को 2 लाख रुपये की ऑथराइज्ड कैपिटल और 20,000 रुपये की वर्किंग कैपिटल से शुरू किया गया था, जबकि क्वस्थ पर आज पीएनबी की मार्केट कैपिटल 1.27 लाख करोड़ रु है।

राष्ट्रवाद की भावना से प्रेरित थी शुरुआत- PNB की स्थापना राष्ट्रवाद की भावना से प्रेरित थी और यह भारतीय पैसों से पूरी तरह भारतीयों द्वारा शुरू किया जाने वाला पहला बैंक था। PNB के लंबे इतिहास में 9 बैंकों का पीएनबी में विलय/एकीकरण हो चुका है। इन बैंकों में नेदुंगडी बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं।

बस कुछ लोगों को मिल सकता है ये क्रेडिट कार्ड, लिमिट इतनी की उड़ जाएंगे होश

क्रेडिट कार्ड आज हमारी जरूरत बन गया है। डेबिट कार्ड की तरह हर कोई आज क्रेडिट कार्ड का भी उपयोग करने लगा है। आज मार्केट में कई तरह के आकर्षित क्रेडिट कार्ड उपलब्ध है। आज हम ऐसे ही एक क्रेडिट कार्ड के बारे में बात करने जा रहे हैं।

इसमें खास बात ये हैं कि ये दुनिया का सबसे महंगा क्रेडिट कार्ड है। ये अमेरिकन एक्सप्रेस का सेंचुरियन कार्ड है। इसे ब्लैक कार्ड भी कहा जाता है।

कितने लोगों के पास ये कार्ड- इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार ये ब्लैक कार्ड दुनिया में केवल एक लाख लोगों के पास है। वहीं अगर भारत की बात करें तो केवल 200 मालदार लोगों के पास ये ब्लैक कार्ड है। जब ये कार्ड लॉन्च हुआ तो इसे वेस्टर्न वेर्ल्ड में वेल्थ का सिंबल माना जाता था।

वहीं अमेरिकन एक्सप्रेस द्वारा खुद चुनिंदा लोगों को ये कार्ड ऑफर किया जाता है। इक कार्ड के तहत यूजर्स को कई तरह की आकर्षक सुविधाएं मिलती है।

सुविधा या लाभ जैसे यूजर्स लास्ट मिनट में प्रीमियम रेस्तरां, हवाई यात्रा, टूर, होटल्स और प्राइवेट जेट बुकिंग इत्यादि दिया जाता है। वहीं जिनके पास ये कार्ड होता है, उन्हें 140 देशों के 1400 से ज्यादा एयरपोर्ट्स में प्राथमिकता दी जाती है।

कितनी होती है लिमिट और फीस- इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार अमेरिकन एक्सप्रेस ब्लैक कार्ड यूज करने के लिए यूजर को सालाना 6 लाख रुपये तक फीस के रूप में देने होते हैं। वहीं इस कार्ड की लिमिट 10 करोड़ रुपये हैं। इसका मतलब बै कि आप इस कार्ड के जरिए 10 करोड़ रुपये तक कुछ भी ले सकते हैं।

हालांकि ये क्रेडिट कार्ड उन्हें ही मिलता है, जो कोई बड़े बिजनेसमैन हो। या फिर जिनके पास करोड़ों रुपये की संपत्ति हो।

इंतजार खत्म! कच्चे तेल के सबसे बड़े भंडार के करीब पहुंचा भारत; वियना से हरदीप सिंह पुरी ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में हुए 9वें OPEC इंटरनेशनल सेमिनार में भारत के केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कच्चे तेल के भंडार की खोज को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ओएएलपी के राउंड 10 के तहत भारत ने गुयाना के क्षेत्रफल करीब 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर के बराबर ऑयल फील्ड की जो खोज शुरू की थी, अब हम उसके बेहतर करीब पहुंच गए हैं।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत तेजी के साथ कच्चे तेल के भंडार की खोज में लगा हुआ है। अंडमान सागर में भारत एक परिवर्तनकारी तेल भंडार की खोज के कगार पर है। हम इसके बेहद करीब पहुंच गए हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत गुयाना के क्षेत्रफल के बराबर कच्चे तेल के भंडार का मालिक होगा। गुयाना 11.6 बिलियन बैरल तेल और गैस का भंडार के साथ विश्व में 17वें नंबर पर है।

कच्चे तेल की खोज में भारत ला रहा तेजी- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सेमिनार में बोलते हुए कहा, ÷हम अंडमान में 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर के दायरे में कच्चे तेल और गैस की खोज के बेहद करीब पहुंच गए हैं। भारत ने अपने इस महत्वकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के करीब पहुंचने के लिए ड्रिलिंग के प्रयासों को और तेज कर दिया है।

इन Small Cap Fund ने दिया बीते 5 सालों में सबसे ज्यादा रिटर्न, पैसा लगाने वाले हो गए मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कई म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं, जिनकी बहुत सारे फंड्स निवेश के लिए मौजूद हैं। इन फंड्स में आप एक बार में बड़ी रकम लगाने के साथ-साथ SIP के जरिए भी निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड के इक्विटी सेगमेंट में स्मॉल कैप, मिड कैप और लार्ज कैप 3 तरह के फंड्स होते हैं। यहां हम आपको उन टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की जानकारी देंगे, जिन्होंने बीते 5 सालों में सबसे अधिक रिटर्न दिया है।

बीते 5 सालों में क्वांट स्मॉल कैप फंड ने सालाना सबसे अधिक 45.62 फीसदी रिटर्न दिया है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.66 फीसदी है। ध्यान रहे कि एक्सपेंस रेशियो म्यूचुअल फंड का सालाना खर्च होता है, जो फंड के ऑपरेशन और मैनेजमेंट के लिए लिया जाता है। इस फंड की एयूएम 29,629.09 करोड़ रु है।

Nippon India Small Cap Fund- लिस्ट में दूसरे नंबर पर है निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, जो 5 सालों से सालाना 38.50 फीसदी रिटर्न दे रहा है। इसका एक्सपेंस रेशियो 0.65 फीसदी है, जबकि फंड की AUM 66,601.80 करोड़ रु है।

Bandhan Small Cap Fund- बंधन स्मॉल कैप फंड भी रिटर्न देने के मामले में ज्यादा पीछे नहीं है। इसका बीते 5 साल का सालाना रिटर्न 38.08 फीसदी रहा है। वहीं इसका एक्सपेंस रेशियो 0.39 फीसदी और AUM 12,981.57 करोड़ रु है।

Bank of India Small Cap Fund- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड का 5 सालों में सालाना रिटर्न 36.29 फीसदी रहा है। फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.47 फीसदी और AUM 1,907.82 करोड़ रु है।

HSBC Small Cap Fund- इस लिस्ट में 5वें नंबर पर है एचसीबीसी स्मॉल कैप फंड। एचसीबीसी स्मॉल कैप फंड ने 5 सालों में सालाना 36.25 फीसदी रिटर्न दिया है। इसका एक्सपेंस रेशियो 0.63 फीसदी और AUM 16,909.21 करोड़ रु है।

अनिल अंबानी का एयरोस्पेस में 10000 करोड़ का नया दांव, डिफेंस सेक्टर में धमाल मचाएगी रिलायंस डिफेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस डिफेंस ने एयरोस्पेस सेक्टर में बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसाल कंपनी अगले कुछ सालों में करीब 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 2028 तक भारत का पहला मेड इन इंडिया कमर्शियल एयरक्राफ्ट लॉन्च करने का टारगेट रखा गया है।

फंडिंग और प्लानिंग- रिलायंस डिफेंस, जो रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की एविएशन और हथियार बनाने वाली यूनिट है, इस निवेश का एक हिस्सा रिलायंस इंफ्रा से जुटाएगी। कंपनी कुल 17,600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है।

इसमें प्रेफरेंशियल शेयर अलॉटमेंट, संस्थागत निवेशकों को बिक्री और विदेशी बॉन्ड्स के जरिए पैसा उठाना शामिल है। साथ ही, रिलायंस इंफ्रा अपनी 9 रोड प्रोजेक्ट को भी मॉनेटाइज करने की सोच रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

थानों में बदमाशों की निगरानी पर सवाल, थानों ने एक-दूसरे पर थोपी जिम्मेदारी

भोपाल। कमलानगर क्षेत्र में मारपीट और चाकूबाजी के मामले में फरार चल रहे कोलार के बदमाश सोनू एंजिल को कमलानगर पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जमकर वाहवाही लूटी, लेकिन 11 साल में पांच थाना क्षेत्रों में 21 अपराध कर चुका सोनू एंजिल किस थाने की गुंडा सूची में है, इसका जवाब कोई नहीं दे पाया।जिन थाना क्षेत्रों में सोनू के अड्डे हैं, वहां के थाना प्रभारियों ने जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल दी। सामने आया कि न तो कोलार थाना और न ही शाहपुरा थाना उसकी निगरानी कर रहा था।राजधानी में बदमाशों की निगरानी के लिए पुलिस आयुक्त ने हाल ही में सभी थानों को गुंडा लिस्ट भेजने के निर्देश दिए थे, लेकिन जब असली बदमाशों के नाम ही सूची में नहीं होंगे तो निगरानी कैसे होगी, यह सवाल खड़ा हो गया है।

35 वर्षीय सोनू एंजिल पहले शाहपुरा थाना क्षेत्र में रहता था और अब कोलार की कान्हाकुंज कॉलोनी में रह रहा है। वह लोगों को धमकाकर अड़ीबाजी करता है। उसके खिलाफ कोलार, शाहपुरा, हबीबगंज, कमलानगर और टीटीनगर थानों में 21 केस दर्ज हैं।

शाहपुरा से एक साल पहले भेजा गया था पत्र, कोलार ने नहीं जोड़ा नाम

शाहपुरा पुलिस का कहना है कि एक साल पहले सोनू एंजिल का नाम गुंडा लिस्ट में जोड़ने के लिए पत्र भेजा गया था, लेकिन कोलार पुलिस का कहना है कि वह उनके क्षेत्र का निवासी नहीं है, बल्कि टीटीनगर क्षेत्र का है। हबीबगंज और कमलानगर क्षेत्र का नाम भी सामने आया, लेकिन किसी भी थाने की लिस्ट में उसका नाम नहीं मिला।

कमलानगर के थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने कहा कि ÷बदमाश सोनू एंजिल कोलार क्षेत्र का रहने वाला है। उसने जनवरी माह में कमलानगर क्षेत्र में मारपीट और चाकूबाजी की थी, इस मामले में वह फरार था। किस थाने की गुंडा लिस्ट में वह शामिल है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

जेल में बंद गैंगस्टर अब्दुल रज्जाक का बेटा और भाई सहित चार गिरफ्तार, सिवनी के पेंच रिसॉर्ट से दबोचा

जबलपुर/सिवनी। सिवनी के पेंच में स्वजन की शादी में पहुंचे गैंगस्टर अब्दुल रज्जाक गैंग के चार सदस्यों को जबलपुर व सिवनी पुलिस ने बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों में अब्दुल रज्जाक का पुत्र सरफराज, उसका भाई मोहम्मद महमूद, भतीजा अजहर व गुर्गा मोहम्मद सज्जाद शामिल हैं।

नया मोहल्ला रिपटा जबलपुर के निवासी इन आरोपियों की पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। ओमती थाने में आरोपितों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम था। आरोपितों को जबलपुर लाया गया है। चारों आरोपित कार से रिसोर्ट पहुंचे थे। तलाशी में उनके पास से 10 राउंड लोडेड पिस्टल मिली। इस मामले में सिवनी के कुरई थाने में एफआइआर दर्ज की है। वहीं, ओमती थाने में पहले से सरफराज के विरुद्ध तीन, मेहमूद व अजहर के विरुद्ध दो व सज्जाद पर एक-एक मामला दर्ज है। मेहमूद पर कटनी के स्लीमनाबाद में भी आपराधिक मामला दर्ज है।

गुंडागर्दी के बाद आए थे निशाने परकई गंभीर आपराधिक कृत्यों में लिप्त रही गैंग के पकड़े गए सदस्य विजय नगर में आधी रात को की गई गुंडागर्दी के बाद पुलिस के निशाने पर आए गए थे। वर्ष 2021 में एक गैरेज में कार मरम्मत के लिए पहुंचे पहलवान गैंग के सदस्यों का अभ्युदय चौबे से विवाद हो गया था। शहबाज ने गैरेज में खड़ी कार में तोड़फोड़ कर दी थी। युवक की हत्या का प्रयास किया था। मामले में आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने रज्जाक व शहबाज के घर में दबिश दी। जांच में कई घातक देसी-विदेशी हथियार मिले थे। रज्जाक के साथ ही शहबाज को पकड़ा था।सात घंटे तक रिसोर्ट को घेरकर रखा तब पकड़ा जेल में बंद रज्जाक के स्वजन ओमती के एक चश्मा व्यापारी के यहां नौ जुलाई को विवाह समारोह था। इसका आयोजन पेंच टाइगर रिजर्व के टुरिया क्षेत्र स्थित ओलिव रिसोर्ट में रखा गया। इसमें शामिल होने रज्जाक के भाई मेहमूद और भतीजे अजहर के सिवनी में छिपे होने की भनक जबलपुर पुलिस को लगी थी। नेतृत्व में रात 11 से सुबह छह बजे तक चप्पे-चप्पे को छाना। जांच में रज्जाक का पुत्र और एक गुर्गा भी हाथ लगा।

मथुरा से ग्वालियर की तरफ आने वाली ट्रेनों में बढ़ी भीड़, स्पेशल ट्रेनें भी पड़ गई कम

ग्वालियर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोवर्धन में परिक्रमा लगाने के बाद अब श्रद्धालुओं ने वापस आना शुरू कर दिया है। अभी तक मथुरा की ओर जाने वाली ट्रेनें यात्रियों से खचाखच भरकर जा रही थीं, लेकिन गुरुवार से मथुरा की ओर से आने वाली ट्रेनों में भीड़ आनी शुरू हो गई है। यही कारण है कि अब मथुरा से आने वाली सभी ट्रेनें फुल होकर आ रही हैं।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए जो स्पेशल ट्रेनें चलाई थीं, वे भी कम पड़ गई हैं। यात्रियों की भीड़ इतनी अधिक है कि सामान्य कोचों में पैर रखने की जगह तक नहीं है। नई दिल्ली से रवाना होने वाली ट्रेनें जैसे ही मथुरा पहुंचती हैं, वैसे ही यात्रियों के बीच मारामारी जैसी स्थिति बन जाती है।श्रद्धालुओं को जब अनारक्षित कोच फुल नजर आए तो वे स्लीपर और थर्ड एसी जैसे आरक्षित कोच में घुसने का प्रयास करने लगे। गुरुवार को मथुरा से आने वाली झेलम एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, ताज एक्सप्रेस, दक्षिण एक्सप्रेस, पंजाब मेल, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, पातालकोट एक्सप्रेस, उत्कल एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस में यात्रियों की खासी भीड़ नजर आई। उधर, तेलंगाना एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में बिना टिकट यात्रियों के घुसने के कारण विवाद की स्थिति बन गई।

मध्य प्रदेश में पदोन्नति नियमों का विधानसभा की समिति करेगी परीक्षण

भोपाल। भले ही सरकार ने मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 लागू कर दिए हों लेकिन अभी इन्हें विधानसभा देखेगी। 28 जुलाई से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र में सामान्य प्रशासन विभाग पदोन्नति नियम की अधिसूचना पटल पर रखेगी। इसे प्रत्यायुक्त विधान समिति को सौंपा जाएगा, जो यह परीक्षण करेगी कि यह विधि अनुरूप है या नहीं।

संविधान के किसी प्रविधान का उल्लंघन तो नहीं हो रहा है। यदि समिति को लगता कि यदि किसी नियम का उल्लंघन हो रहा है या किसी प्रविधान में स्पष्टता नहीं है तो वह संशोधन की अनुशंसा करेगी।नौ साल बाद लागू हुए नियम के क्रियान्वयन पर फिलहाल है रोक

प्रदेश सरकार ने 2002 के पदोन्नति नियम को हाई कोर्ट जबलपुर द्वारा वर्ष 2016 में निरस्त करने के नौ साल बाद नए नियम बनाकर लागू किए हैं। सामान्य वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने अनारक्षित वर्ग के पदों पर एससी-एसटी वर्ग के कर्मचारियों को भी पदोन्नति का अवसर देने, पहले आरक्षित वर्ग के पदों पर पदोन्नति करने, सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस न लेने और वर्ष 2002 के नियम से पदोन्नत कर्मचारियों को पदावनत किए बिना पदोन्नति के लिए पात्र बनाने पर आपत्ति करते हुए नियम को हाई कोर्ट में चुनौती दी है।इस पर कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि जब तक इस मामले में हाई कोर्ट कोई अंतिम फैसला नहीं देता, तब तक सरकार नए नियमों के आधार पर कोई भी पदोन्नति या संबंधित कार्रवाई न करे। अगली सुनवाई 15 जुलाई को है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा विभिन्न याचिकाओं पर जो निर्णय दिए और नए नियम के आधार पर जवाब तैयार किया है।

सभी अधिसूचनाएं पटल पर रखना अनिवार्यनियमानुसार दो सत्र के बीच में विभागों द्वारा जो अधिसूचनाएं राजपत्र में प्रकाशित की जाती हैं, उन्हें सदन के पटल पर रखना अनिवार्य होता है। इसका उद्देश्य यह है कि सभी सदस्यों को सरकार द्वारा नियम, विनियम और उप नियम में किए गए संशोधन या नई व्यवस्था के बारे में जानकारी हो जाए। विधानसभा सचिवालय इन्हें सत्र समाप्त होने के बाद प्रत्यायुक्त विधान समिति को भेजता है, जहां इनका परीक्षण किया जाता है।समिति का यह है काम

समिति यह सुनिश्चित करती है कि सरकार द्वारा बनाए गए नियम, विनियम और उप-नियम संविधान के अनुरूप हैं या नहीं। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि प्रत्यायुक्त विधान समिति को सत्र समाप्त होने के बाद समस्त अधिसूचनाएं मिल जाती हैं।

वह इनका परीक्षण करती है और अपनी अनुशंसा देती है, जिस पर विभागों से जानकारी मांगी जाती है। यदि यह पाया जाता है कि कोई प्रविधान विधि के अनुरूप नहीं है तो वरिष्ठ अधिकारी को साक्ष्य के लिए बुलाया जाता है और वे अपने तर्क रखते हैं। यदि आवश्यकता होती है तो फिर संशोधन भी किया जाता है।

इधर...पदोन्नति के बाद रिक्त होने वाले पदों पर भर्ती की तैयारी में जुटी सरकार नौ साल बाद हो रही पदोन्नति के कारण एक से डेढ़ लाख पद आने वाले समय में रिक्त होंगे। सरकार इन पर भर्ती की तैयारी में अभी से जुट गई है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने गुरुवार को विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती को लेकर समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी विभाग समय सीमा में प्रक्रिया का पालन करें। सामान्य प्रशासन विभाग सभी विभागों से पालन प्रतिवेदन लें।

सरकार की तैयारी विधानसभा चुनाव से पहले यानी 2028 तक ढाई लाख से अधिक पदों पर भर्ती करने की है। इसके लिए जहां विभागों की आवश्यकता के अनुसार नए पद सृजित किए जा रहे हैं, वहीं पदोन्नति से भी डेढ़ लाख के आसपास पद उपलब्ध होने वाले हैं। इन पर समय सीमा में भर्ती हो, इसके लिए विभागों को प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं।सीएम ने विभागों से तैयारी के बारे में पूछा मुख्यमंत्री ने गुरुवार को इसकी समीक्षा करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग से विभागों की तैयारी के बारे में पूछा।

इंदौर जिले में डायरिया सह दस्तक अभियान 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक चलेगा

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में दस्तक अभियान के संबंध में जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी, महिला बाल विकास अधिकारी, शहर काजी डॉ. इशरत अली सहित समस्त विकासखंड चिकित्सा अधिकारी एवं समस्त झोनल चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि 0 से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से स्टॉप डायरिया सह-दस्तक अभियान चलेगा। दस्तक अभियान का प्रथम चरण 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक संपादित होगा। इस अभियान में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, शिक्षक एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सेवाएं देंगे। अभियान के पहले दिन जिले की सभी आंगवाड़ियों में 5 वर्ष तक के बच्चों को सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं दी जायेगी, उसके बाद यह अभियान घर-घर जाकर चलेगा। इस अभियान में करीब साढ़े चार लाख से अधिक बच्चों (0 से 5 वर्ष) को चिन्हित किया गया है, जिसमें से साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चों को दस्तक पोर्टल पर रजिस्टर्ड कर लिया गया है। इस अभियान के तहत प्रत्येक बच्चों की गंभीर कुपोषण, एनीमिया, दस्त रोग, निमोनिया का परीक्षण किया जाएगा। प्रत्येक बच्चे को दो ओआरएस, 14 जिंक की गोली दी जाएगी तथा एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें हाथ धोना, ओआरएस कैसे बनाना सिखाया जाएगा, जो बच्चे गंभीर होंगे, उन्हें पोषण पुर्नवास केन्द्र में इलाज के लिए भेजा जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टॉप डायरिया सह-दस्तक अभियान को संवेदनशीलता, ईमानदारी, पारदर्शिता, गुणवत्ता और प्राथमिकता के साथ संपादित करें। 5 वर्ष तक का कोई भी बालक इस अभियान से वंचित नहीं रहें, इसलिए प्रत्येक घर जाकर चिन्हाकित बच्चों के सम्पूर्ण स्वास्थ्य की जाँच करें। विशेषकर जो बच्चे कुपोषित है या एनीमिक है उन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति हो सकें। अधिकारी मैदान संभाले और कार्यस्थल पर जाकर अभियान की सतत मॉनिटरिंग करें और उसे दस्तक पोर्टल पर अपडेट करें।

आरटीओ ने वाहनों पर कार्रवाई कर वसूला एक लाख 30 हजार जुर्माना

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। रेडिसन चौराहा, विजयनगर चौराहा पर बसों की सघन चेकिंग की गई। जिसमें वाहनों के फ़िटनेश परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये गए। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा गई। लोगों को अपने वाहनों पर ॥स्त्रक्क नम्बर प्लेट लगवाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

वाहन चालकों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन और बेतरतीब खड़ी रहने वाली बसों पर कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान रेडिसन विजयनगर क्षेत्र पर बेतरतीब खड़ी होकर सवारी बैठातें पाई गई तीन बसें जब्त की गई। इनमें से दो बसों के परमिट नहीं पाए गए। मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई कर इन बसों से 1 लाख 30 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

ट्रेवल्स, बस संचालकों से अपील की गई है कि वह अपनी बसों को निर्धारित स्थान से ही चलाएं, अन्यथा बसें जब्त की जाएगी। बेतरतीब, निर्धारित स्थानों से भिन्न स्थानों से संचालित बसों की जब्ती की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

माहेश्वरी साड़ियों से हेमलता ने देश में बनाई अपनी पहचान

इंदौर। इंदौर संभाग के खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली हेमलता खराड़े आज महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कभी गांव-गांव में मजदूरी कर महीने भर में मुश्किल से 800 रुपये कमाने वाली हेमलता ने अपनी मेहनत, हुनर और आत्मविश्वास से खुद की दुनिया ही बदल दी। आज वे न सिर्फ सफल उद्यमी हैं, बल्कि 15 महिलाओं को रोज़गार देकर उन्हें भी आत्मनिर्भरता की राह पर ले जा रही हैं।

सीखा लूम पर काम करना- हेमलता का जीवन बदला आजीविका मिशन और हथकरघा विकास निगम की मदद से वर्ष 2008 में उन्होंने निगम की ओर से 6 माह की ट्रेनिंग ली, जिसमें उन्होंने लूम पर काम करना सीखा। इसके बाद वे हथकरघा भवनों में काम करने लगीं और अपने कौशल से पहचान बनाते हुए वर्ष 2012 में खुद का हथकरघा समूह शुरू किया। शासन ने उनके आत्मविश्वास और काम को देखते हुए वर्ष 2016 में भवन भी उपलब्ध कराया।

अव्यवस्था और अनियमितता मिलने पर उचित मूल्य दुकान निलंबित

इंदौर। ग्राम पंचायत कलारिया में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर अव्यवस्था और अनियमितता पाये जाने पर निलंबित करने की कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने इंदौर के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के साथ-साथ अन्य शासकीय योजनाओं व संस्थाओं का भ्रमण सह-निरीक्षण किया गया था। ग्राम पंचायत कलारिया में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान बंद रहने एवं महीने में कम खुलने संबंधी शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत के संबंध में जिला आपूर्ति नियंत्रक अधिकारी श्री एम.एल. मारू द्वारा तत्काल जिला स्तर से टीम भेजकर जांच करायी गई। विगत 24 जून को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सवेसिंह गामड़ एवं श्री महादेव मुवेल की संयुक्त टीम द्वारा न्यू प्रगति महिला स्व सहायता समूह कलारिया द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान कोड क्रमांक 805003 की आकस्मिक जांच की गई। जांच में कई अनियमितताएँ पायी गई, जिसमें निःशुल्क खाद्यान्न के पैसे लेना, दुकान मुख्य विक्रेता द्वारा संचालित नहीं की जाना, दुकान माह में 8 से 10 दिन ही खोलना, हितग्राहियों से दुर्व्यवहार करना, खाद्यान्न के भौतिक सत्यापन में खाद्यान्न कम/ज्यादा पाया जाना, दुकान पर आवश्यक बोर्ड प्रदर्शित नहीं किए जाना आदि कमियां पायी गयी।

तुलसी नगर, महालक्ष्मी नगर में में गुरु पूर्णिमा महोत्सवः योग गुरुओं का हुआ सम्मान

इंदौर। शहर के तुलसी नगर और महालक्ष्मी नगर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का गरिमामय और उत्साहपूर्ण आयोजन हुआ। तुलसी नगर स्थित सरस्वती धाम और महालक्ष्मी नगर के एम आर 4 गार्डन में आयोजित इन समारोहों में योग के प्रति समर्पण और समाज को स्वस्थ बनाने में योग गुरुओं के योगदान को सम्मानित किया गया। गुरु वंदना तथा बांसुरी की मधुर धुनों ने कार्यक्रम को और भी यादगार बनाया।

तुलसी नगर में गुरु वंदना और सम्मान समारोह- तुलसी नगर के सरस्वती धाम में तुलसी नगर योगशाला के साधकों ने योग गुरु प्रेम केरो, पुष्पा केरो, राकेश चौधरी को शॉल, श्रीफल और पुष्पमालाओं से सम्मानित किया। समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वस्थ समाज के निर्माण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मातृशक्तियों ने गुरु वंदना के भक्तिपूर्ण गीत प्रस्तुत किए, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से सराबोर कर दिया।

गुरुजनों के सम्मान में भावभीना आयोजन

इंदौर। शुद्ध भाव स्व तेरा ध्यान लगाएं हम, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम इन भावपूर्ण पंक्तियों के साथ शा. सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में गुरुपूर्णिमा उत्सव पूरे श्रद्धा भाव और गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने जानकारी दी कि कार्यक्रम का आयोजन छात्राओं द्वारा संयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने अपने गुरुजनों का पूजन कर उन्हें सम्मान अर्पित किया। सभी छात्राओं ने सामूहिक रूप से एक भावविभोर कर देने वाला गीत प्रस्तुत कर अपने गुरुजनों के प्रति आदर और कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में छात्राएं - दीपशिखा रधुवंशी, प्रगति बर्डे, नेहा गुप्ता, प्राची प्रजापत, रानी धीमान, पिंकी धुर्वे, रिया नागोरी, भावना प्रजापत, सृष्टि रघुवंशी, कोमल सोलंकी और ज्योति कुर्मी ने भी अपने विचार व्यक्त कर गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को रेखांकित किया। उत्सव के अंतर्गत एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका शिक्षिका श्रीमती सुषमा राठौर रहीं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने स्कूलों में गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए थे।

वीर अलीजा सरकार धाम में गुरुपूर्णिमा महोत्सव की भव्य छटा, काठियावाड़ी थीम पर सजा दरबार

इंदौर। गुरुपूर्णिमा पर ख्यातिप्राप्त वीर अलीजा सरकार धाम में भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को काठियावाड़ी पद्धति (थीम) के आधार पर अत्यंत सुंदरता से सजाया गया था। पूरा आयोजन अल सुबह 5 बजे से देर रात तक चला, जिसमें 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह 5 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथइसके बाद वीर अली सरकार हनुमानजी का चोला चढ़ाया गया एवं विशेष श्रृंगार किया गया। सफेद मोतियों की लाल वेलवेट की पोषक को निहारते ही भक्त निहाल हो गए श्रृंगार आरती पश्चात पूज्य साकेतवासी कैलाशनंदजी, पूज्य ओंकारानंद जी एवं पूज्य श्री श्री 1008 प्रभुवानंद जी की चरण पादुका पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

सुबह 8 बजे से गादीपति ब्रह्मचारी पवनानंद जी महाराज का पद-पादुका पूजन प्रारंभ हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन, सत्संग, और पूजन अनुष्ठान आयोजित किए गए।

400 वर्षों से अधिक प्राचीन इस मंदिर में शाम को भजन संध्या, महाआरती और महाप्रसादी वितरण का भी आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने आस्था और भक्ति के साथ भाग लिया।

जनजातीय अंचलों को मिली सौगात : 66 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्वीकृति

इंदौर। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में बाल विकास एवं पोषण सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 66 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना और भवन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा अनुमोदित अभियान के अंतर्गत प्राप्त हुई है। स्वीकृत नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए 66 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता (मानसेवी), 66 आंगनवाड़ी सहायिका (मानसेवी) तथा 02 पर्यवेक्षक (नियमित वेतनमान) के पद स्वीकृत किए गए हैं। 12 लाख रूपये प्रति भवन की लागत निर्धारित की गई है, जिसकी शत-प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के बड़वानी जिले में 25, देवास में 9, खरगौन और रतलाम में 7-7, धार में 5, पन्ना और रीवा में 3-3,श्योपुर और सिंगरौली में 2-2 तथा बैतूल, गुना और नर्मदापुरम में एक-एक आंगनवाड़ी केन्द्र की स्वीकृति मिली है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

श्रावण महोत्सव 2025 में होगी शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य से शिव आराधना

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के आयोजन में प्रथम दिवस 12 जुलाई 2025 को देश के प्रख्यात कलाकार देंगे प्रस्तुति

उज्जैन । श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा इस वर्ष 2025 में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 20 वॉ अखिल भारतीय श्रावण महोत्सव शिवसंभवम 2025 का आयोजन किया जा रहा हैं।

श्रावण महोत्सव 2025 में नियोजित शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य से नटराज श्री महाकालेश्वर की आराधना में देश भर से प्रख्यात कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की उपप्रशासक श्रीमती सिम्मी यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 12 जुलाई 2025 से शुरू होने वाले 20 वॉ अखिल भारतीय श्रावण महोत्सव शिवसंभवम 2025 का आयोजन श्री महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय सभागृह, जयसिंह पुरा उज्जैन में शाम 7 बजे किया जाएगा। कला साधकों के इस प्रस्तुति समागम के प्रथम शनिवार को बड़ोदरा के श्री चिंतन उपाध्याय का शास्त्रीय गायन (ध्रुपद), उज्जैन के श्री सतीश गोथरवाल के निर्देशन में संस्था पंडित विष्णु नारायण भातखंडे कला संस्थान द्वारा ताल वाद्य कचहरी, व इंदौर की संस्था कार्तिक कला अकादमी की निर्देशिका सुश्री सुचित्रा हरमलकर के निर्देशन में की कथक नृत्य की प्रस्तुतियॉ सम्मिलित हैं।

कलाकारों का परिचय - श्री चिंतन उपाध्याय का जन्म भावनगर, गुजरात के एक संगीतप्रेमी परिवार में हुआ। आपने प्रारंभिक संगीत शिक्षा अपने माता-पिता से ली तथा ख्याल गायन श्री लक्ष्मीपति शुक्ल व श्री अश्विन अंधारिया से ग्रहण की। आपने पुणे विश्वविद्यालय से शास्त्रीय गायन में एम.ए. करते हुए डॉ. विकास कशालकर व श्री विजय कोपरकर से प्रशिक्षण लिया। तत्पश्चात पं.उदय भवालकर से गुरु-शिष्य परंपरा में ध्रुपद गायन की शिक्षा ली। आपको भारत सरकार की युवा कलाकार छात्रवृत्ति व जूनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई है। आप आकाशवाणी मुंबई के बी हाई ग्रेड ध्रुपद गायक हैं तथा भारत, कनाडा, जर्मनी, अमेरिका, ऑस्ट्रिया आदि देशों में अनेक मंचों पर प्रस्तुति दे चुके है।

संस्कार, संस्कृति और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करने का संकल्प ले हिंदू परिवार

स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज ने दिया संदेश, हर दिन एक अच्छा कार्य करना ही सनातन धर्म की सच्ची सेवा

उज्जैन। हर हिंदू परिवार को इस गुरु पूर्णिमा पर एक संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने आसपास के किसी एक हिंदू परिवार को संस्कार, संस्कृति और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करें। यही गुरु पूर्णिमा की सच्ची सेवा होगी।

यह बात स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज ने गुरूपूर्णिमा के अवसर पर विशेष रूप से समाज को संबोधित करते हुए कही। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बड़नगर रोड स्थित श्री बाबा धाम अर्जी वाले हनुमान 81 फीट आश्रम में विशेष धार्मिक आयोजन हुआ। अनंत श्री विभूषण 1008 महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज के दर्शन व पूजन-अर्चन के लिए प्रातः से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर महादेव पूजन, महामंडलेश्वर जी का आशीर्वाद, एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर मुकेश टटवाल, संभागायुक्त संजय गुप्ता, उज्जैन के कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा, डनलप इंडिया लिमिटेड चेयरमेन पवनकुमार रूईया, राघव रूईया, बंटू कलवाड़िया, सहित कई जनप्रतिनिधि भी आश्रम पहुंचे और स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने प्रवचन में स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज ने कहा कि गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर है।

समर्पण कावड़ यात्रा का यादव अहीर समाज ने किया स्वागत

उज्जैन। यादव अहीर महासभा द्वारा शुक्रवार को त्रिवेणी से प्रारंभ हुई समर्पण कावड़ यात्रा में शामिल यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। महासभा के अध्यक्ष नारायण यादव ने कहा भगवान महाकाल की नगरी में पवित्र श्रावण महिना और बाहर से जल लेकर आने वाले कावड़ यात्रियों का महत्व है। शुक्रवार को इंदौर रोड़ त्रिवेणी शनि मंदिर से पूजन अर्चन के बाद महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज के सानिध्य में प्रारंभ हुई समर्पण कावड़ यात्रा में हजारों की संख्या में महिला पुरुष और बच्चे भी कंधे पर कावड़ उठाएं शामिल हुए।

उज्जैन के सर्वसेन समाज ने किया श्री श्री 1008 सैनाचार्य स्वामी अचलानन्दगिरि महाराज का पाद प्रक्षालन

उज्जैन। अखिल भारतीय सैन भक्ति पीठ ट्रस्ट द्वारा जोधपुर में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में अपने गुरू के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने उज्जैन से सर्वसेन समाज का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा।

मनोज गेहलोत, धर्मेन्द्र परमार ने बताया कि सैन भक्ति पीठ के मुख्यालय बाबा रामदेव मंदिर, राईका बाग, जोधपुर में श्री श्री 1008 सैनाचार्य स्वामी अचलानन्दगिरि महाराज की पावन निश्रा में मिति आषाढ़ सुदी पूर्णिमा को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ गुरूपूर्णिमा उत्सव मनाया। उज्जैन से पहुंचे सुरेंद्र सेन, मीरा दीदी, कन्हैयालाल सेन, वीरेंद्र परमार, सोनू यादव, आशा राठौर, जगदीश परिहार, नीतल श्रीवैया सहित अन्य समाजजनों ने स्वामी अचलानंदगिरि महाराज के पादपूजन किये। इस दौरान भजन संध्या, गुरू प्रसादी का भी आयोजन हुआ।

रक्त अल्पता जांच एवं सर्वरोग निदान शिविर का आयोजन

250 रहवासियों, छात्रावास कन्याओं की जांच की, निःशुल्क दवाईयां भी वितरित

उज्जैन। भारत विकास परिषद सांदीपनी द्वारा आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन एवं सेवा भारती के सहयोग से रक्त अल्पता जांच एवं सर्वरोग निदान शिविर का आयोजन किया गया।

भारत विकास परिषद सांदीपनि द्वारा आयुष विभाग एवं सेवा भारती के सहयोग से कन्या छात्रावास सांवेर रोड पर छात्रावास में निवासरत कन्याएं एवं क्षेत्रीय रहवासियों हेतु एक निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सकीय परामर्श, शिविर आयोजित किया। साथ ही हेल्थ कार्ड वितरण उनकी मेडिकल हिस्ट्री सहित किया गया ताकि उनका फॉलोअप चिकित्सा मानदंड अनुसार किया जा सके। शिविर में लगभग ढाई सौ क्षेत्रीय रहवासियों एवं छात्रावास कन्याओं की रक्त अल्पता, लिपिड प्रोफाइल ब्लड ग्रुप शुगर संबंधित जांच, बीपी आदि जांच की गई। चिकित्सीय परामर्श एवं दवाइयां का निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर का प्रारंभ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंदजी के चित्रों पर अतिथिद्वय उमेश सेंगर, समाजसेवी एवं जिला उपाध्यक्ष भाजपा तथा ओमप्रकाश गुप्ता रीजनल सेक्रेटरी सेंट्रल रीजन ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। अध्यक्ष अनिल वैष्णव ने एनीमिक फ्री इंडिया अभियान के अंतर्गत संस्था द्वारा सतत किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। शिविर में डॉ. श्वेता गुजराती एवं डॉ. तरुण तिवारी ने चिकित्सकीय परामर्श एवं उनके सहयोगी लक्ष्मी सोलंकी, दीपक महावार, राहुल पौराणिक ने ब्लड टेस्ट, बीपी आदि की जांच कर दवाई वितरण कार्य संपन्न किया। बस्तियों से रोगियों को लाने ले जाने एवं शिविर व्यवस्था में विशिष्ट सहयोगी के रूप में अदिति साबू, डॉ सरोज यादव, पंकज चांदोरकर, अशोक गुप्ता, ए.एल. ठक्कर, विनोद उपाध्याय, शैलेंद्र सिंह पवार, अनिल त्रिवेदी, पूजा चित्तौड़ा, रुक्मणी गुप्ता, कृष्ण चित्तौड़ा, कविता गुप्ता, आशा गुप्ता आदि ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिविर आयोजन सफलता हेतु सचिव मनीषा शिव अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवीन प्रवेशार्थियों का तिलक लगाकर किया दीक्षा आरम्भ

उज्जैन। श्री राज राजेंद्र जयंतसेन सूरि शिक्षा महाविद्यालय में गुरू पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर 2025-27 के नवीन प्रवेशार्थियों का दीक्षा आरम्भ कार्यक्रम हुआ। तिलक लगाकर दीप प्रज्जवलन व प्रार्थना के सभी का स्वागत किया गया। बी.एड. तृतीय सेम की कक्षाएं प्रारम्भ की गई।

गुरुपूर्णिमा पर मुख्य अतिथि अभय कुमार सेठिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अ.भा. जै. समाजोत्थान ट्रस्ट व विशिष्ट अतिथि रमणलाल जैन सेवा निवृत्त प्राचार्य उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. विद्या जोशी संस्था प्राचार्य ने की। अभय कुमार सेठिया ने अपने विचार में कहा कि अपना काम हम इमानदारी से करें तभी हम इस राष्ट्र को शिखर तक पहुंचा सकते है। सेठियाजी ने अविनाश ललावत का उदाहरण देकर बताया की कैसे कम्प्यूटर ऑपरेटर से सहायक प्राध्यापक, योगा का सफर तय किया है। सभी प्रशिक्षणार्थियों को कहां आप भावी शिक्षक है और सभी को बधाई दी।

श्री रमणलाल जी जैन सा. ने कहा कि शिक्षक के सामने बहुत सी चुनौतियां है शिक्षक यदि अपना कार्य निष्ठा व समर्पण से करता है तो वो हमेशा सफल होता है व आदर्श नागरिक का निर्माण करता हैं।

डॉ. जोशी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय परम्परा में शिक्षा देने का कार्य दान कार्य त्यागी लोगो ने किया है। जब तक ऐसे भाव थे कल्याण ही हुआ है। माता पिता प्रथम गुरू है। शिक्षक अक्षर ज्ञान करवता है गुरू हमें सही गलत में अंतर करना सिखाते है। उनके ज्ञान व अनुभव से विद्यार्थी अपने लक्ष्य तक पहुंचते है। ज्योति पाठक ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बी.एड. प्रथम व तृतीय व समस्त स्टॉफ उपस्थित था। प्रसाद वितरण से कार्यक्रम का समापन हुआ। उपरोक्त जानकारी शेखर पाठक व राहुल बारोड़ द्वारा दी गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com